

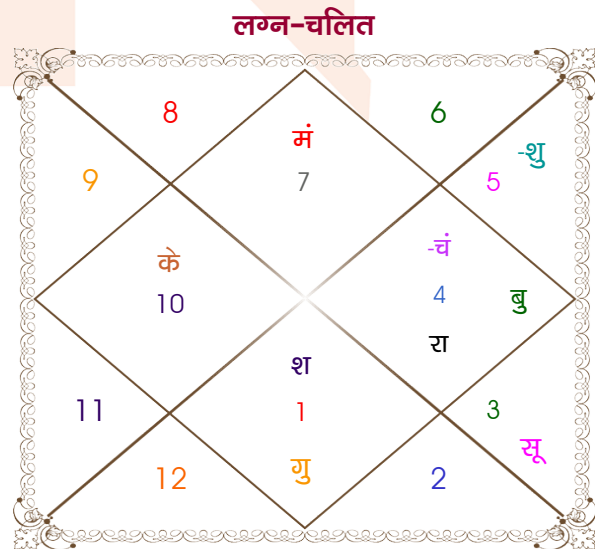
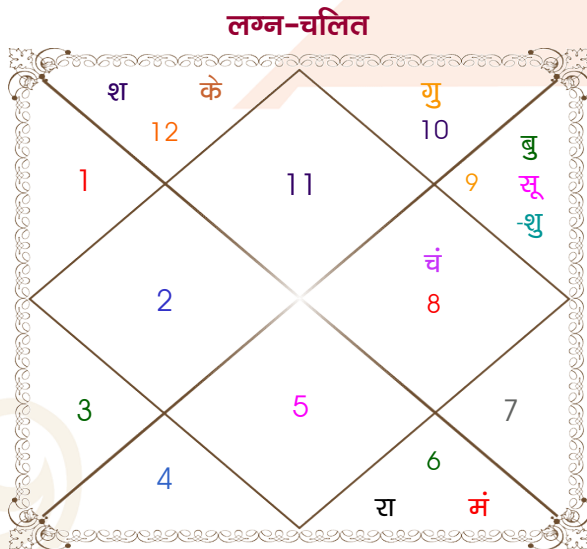


Model: Web-FreeMatching

Order No: 121450906

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 06/01/1997 : _____ जन्म तिथि _____ : 13/07/1999
 सोमवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 10:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 14:10:00 घंटे
 घटी 07:05:44 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 21:37:44 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Hathras : _____ स्थान _____ : Hathras
 27:36:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 27:36:00 उत्तर
 78:02:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 78:02:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:52 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:17:52 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:09:42 : _____ सूर्योदय _____ : 05:30:54
 17:37:57 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:15:52
 23:48:57 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:50

विंशोत्तरी शनि 7वर्ष 5मा 26दि केतु 04/07/2021 04/07/2028		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 3वर्ष 8मा 11दि बुध 24/03/2022 25/03/2039	
केतु	30/11/2021	10:21:15	कुंभ	लग्न	तुला	18:58:52	बुध	20/08/2024
शुक्र	30/01/2023	22:04:49	धनु	सूर्य	मिथु	26:41:13	केतु	17/08/2025
सूर्य	07/06/2023	11:24:38	वृश्चि	चंद्र	कर्क	00:15:08	शुक्र	17/06/2028
चन्द्र	06/01/2024	07:03:48	कन्या	मंगल	तुला	09:07:23	सूर्य	23/04/2029
मंगल	03/06/2024	12:40:09	धनु व	बुध व	कर्क	15:38:15	चन्द्र	23/09/2030
राहु	22/06/2025	02:33:30	मक	गुरु	मेष	08:17:44	मंगल	20/09/2031
गुरु	29/05/2026	01:07:20	धनु	शुक्र	सिंह	06:32:15	राहु	08/04/2034
शनि	07/07/2027	07:48:05	मीन	शनि	मेष	21:24:55	गुरु	14/07/2036
बुध	04/07/2028	08:22:18	कन्या व	राहु व	कर्क	19:09:31	शनि	25/03/2039
		08:22:18	मीन व	केतु व	मक	19:09:31		
		09:44:38	मक	हर्ष व	मक	21:56:20		
		03:12:18	मक	नेप व	मक	09:28:42		
		10:44:25	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:14:22		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. की कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।